राज्य सेवा परीक्षा

ऐच्छिक विषय

15. दर्शनशास्त्र

प्रश्न पत्र प्रथम

तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा

उम्मीदवारों से ज्ञान मीमांसा एवं तत्वमीमांसा के निम्नलिखित पाश्चात्य तथा भारतीय सिद्धान्तों से अवगत होने की आशा की जाएगी -

(अ) पाश्चात्य -अनुभववाद, बुद्धिवाद, परीक्षावाद, भौतिकवाद, प्रत्ययवाद, वस्तुवाद, अर्थक्रियावाद, तार्किक भाववाद एवं अस्तित्ववाद

(आ) भारतीय, प्रमा एवं प्रमाण, सत्य एवं भ्रम के सिद्धान्त, सत्ता के सिद्धान्त, भारतीय दर्शन के प्रमुख संप्रदायों (आस्तिक एवं नास्तिक) के विशेष संदर्भ में

प्रश्न पत्र द्वितीय

सामाजिक राजनैतिक दर्शन एवं धर्मदर्शन

1. दर्शनशास्त्र का स्वरूप, जीवन, विज्ञान एवं संस्कृति से उसका संबंध

2. (क) निम्नलिखित वाद : प्रजातंत्र, समाजवाद, फासीवाद, साम्यवाद एवं सर्वोदय
(ख) राजनैतिक कार्यवाही की प्रणालियां एवं उनके पहलू, संविधानवाद, क्रांति, आतंकवाद एवं सत्याग्रह

3. परंपरा, परिवर्तन एवं आधुनिकता (भारतीय सामाजिक व्यवस्था के विशेष संदर्भ में)

4. (क) धर्मदर्शन का स्वरूप एवं क्षेत्र
(ख) ईश्वर का स्वरूप एवं उसके अस्तित्व के प्रमाण
(ग) धार्मिक अनुभव का स्वरूप तर्क दिव्य अनुभूति एवं रहस्यवाद

5. (क) अशुभ एवं पाप की समस्या
(ख) बंधन और मोक्ष प्राप्ति के मार्ग
(ग) धर्मों की एकता एवं विश्व व्यापकता, धार्मिक सहिष्णुता एवं धर्मनिरपेक्षता

Syllabi for optional subjects

15. PHILOSOPHY

PAPER - I

Ontology , & Epistemology

Candidates will be expected to be familiar with the following Western and Indian theories of Eqistemology and Ontology -

(a) Western - Empiricism, Rationalism, Critical philosophy, Materialism, Idealism, Realism, Pragmatism, Logical positivism and Existentialism.

(b) Indian : Prama and pramanas .Theories of truth and error,Theories of Reality with special reference to main systems (orthodox and heterodox) of Indian Philosophy)

PAPER - II

Socio-Political Philoscophy and philosophy of Religion.

1. Nature of Phillosophy, its relation with life, science and culture.

2. (a) the following topics ; Damocracy, Socialism. Fascism, Communism and Sarvodaya.

(b) Methods and aspects of political action - Constitutionism, Revolution, Terrorism and Satyagrah.

3. Tradition , Change and modernity (with special reference to Indian social order)

4. (a) Natural land scope of philoscophy of religion.
(b) Nature of God and proofs of God's existence.
(c) Nautre of religious experience; reason, revelation and mysticism.

5. (a) Problem of evil and sin
(b) Bondage and Liberation (Moksa) and paths for the realisation of Liberation.
(c) Unity , and universality of religions : religious tolerance and secularism.